IIT's, IIM & SPA

Dr. Mukesh Pancholi

IIT (Indian Institute of Technology) –

IIT एक स्वायत्त संस्थान है, जो सार्वजनिक तकनीकी व अनुसंधान विश्वविद्यालय भारत में स्थित है। यह दुनिया में प्रौद्योगिकी के सबसे सम्मानित संस्थानों में से है।

इतिहास –

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद व भारत को स्वतंत्रता से पहले वायसराय की कार्यकारी परिषद् से सर अर्देशिर दाल ने कहा कि भारत की भविष्य की समृद्धि प्रौद्योगिकी पर निर्भर करेगी।

Dr. Mukesh Pancholi

इसलिए उन्होंने ऐसे संस्थानों की अवधारणा दी, जो देश में इस तरह के कार्य बलों को प्रशिक्षित करेंगे। इसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की पहली अवधारणा माना जाता है।

डॉ. हुमायु कबीन ने IIT संस्थानों की स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री डॉ. बीसी रॉय को आर्देशिर के IIT के प्रस्ताव पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

1945 में डॉ. कबीर वायसराय की कार्यकारी परिषद् के जोगेन्द्र सिंह के साथ एक प्रस्ताव तैयार करने के लिए 22 सदस्यी समिति का गठन किया व नलिनी रंजन सरकार को अध्यक्ष नियुक्त किया।

Dr. Mukesh Pancholi

रंजन सरकार समिति ने 1945 में सिफारिश की थी कि प्रसिद्ध मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की तर्ज पर कम से कम 4 उच्च तकनीकी संस्थान देश के पश्चिम, पूर्वी, उत्तरी व दक्षिणी क्षेत्रों में स्थापित किए जाए।

स्वतंत्रता के बाद यह बीड़ा जवाहर लाल नेहरू ने उठाया। जो नव-निर्मित स्वतंत्र भारत के लिए प्रौद्योगिकी में अग्रणी के रूप में कार्य करेंगे।

नेहरू जी ने कहा कि IIT प्रणाली समय के साथ वैज्ञानिकों व प्रौद्योगिकीविदों को सबसे अधिक कैलिबर प्रदान करेगी, जो राष्ट्र को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाएगी।

Dr. Mukesh Panchal

स्थापना –

मई, 1950 में इसी श्रृंखला में पहली बार खडगपुर में हिजली निरोध शिविर जहां अंग्रेजों ने राजनीतिक बंदियों को उत्पीड़ित किया था, स्थापित किया।

18 अगस्त, 1951 को औपचारिक उद्घाटन से पहले संस्थान को 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान' नाम दिया गया।

इसी प्रकार पहले दशक में 1958 में IIT बांबे, 1954 में मद्रास, 1959 में कानपुर, 1961 में दिल्ली में स्थापना की गई।

Dr. Mukesh Pancholi

भारत का पहला तकनीकी संस्थान, 1847 में स्थापित थॉमसन कॉलेज रूड़की विश्वविद्यालय को जाना जाता है। जिसे सितम्बर, 2001 में IIT का दर्जा दिया गया।

वर्ष 2008 में 6 नए IIT शुरु किए – भुवनेश्वर, गांधीनगर, हैदराबाद, पटना, राजस्थान, रोपड़।

वर्ष 2009 में 2 नए – इंदौर, मंडी।

इसके अलावा वाराणसी (1919) 2012, IIT पलक्कड़ 2015, तिरुपति 2015, धनबाद (1926) 2016, भिलाई-2016, गोवा 2016, जम्मू 2016, धारवाड़ 2016

अध्यक्ष – केन्द्रीय सरकार के तकनीकी शिक्षा मंत्री – रमेश पोखरियाल 'निशंक'

Dr. Mukesh Pancholi

वर्तमान परिदृश्य –

वर्षों से IIT उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाओं के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुसंधान के माध्यम से गतिशील रूप से निरंतर विश्व स्तर के शैक्षिक मंच बनाए है। IIT के संकाय व पूर्व छात्रों ने भारत व विदेश दोनों में, समाज के सभी क्षेत्रों में व्यापक प्रभाव डाला है, IIT संस्थान विश्व स्तर पर अकादमिक उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में पहचाने जाते है।

Total 23 in Nos.

Dr. Mukesh Pancholi

अधिनियम –

IIT Act केन्द्रीय मानव संसाधन विकास की अध्यक्षता वाली एक IIT परिषद् के लिए प्रदान करता है। IIT Act 1961 (लागू हुआ 19 दिसम्बर, 1961 से)

प्रवेश प्रक्रिया JEE द्वारा।

प्रशासनिक संरचना –

एक केन्द्रीय कानून, IIT, 1961 ने IIT को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया।

भारत के राष्ट्रपति सभी IIT के Visitor है।

IIT Council के रूप में केन्द्रीय निकाय जिसका नेतृत्व MHRD Minister द्वारा किया जाएगा।

Dr. Mukesh Pancholi

प्रत्येक IIT अपने बोर्ड Of Governors द्वारा शासित होता है।
BOG के अलावा सीनेट, वित्त समिति, भवन निर्माण समितियां भी होती है।

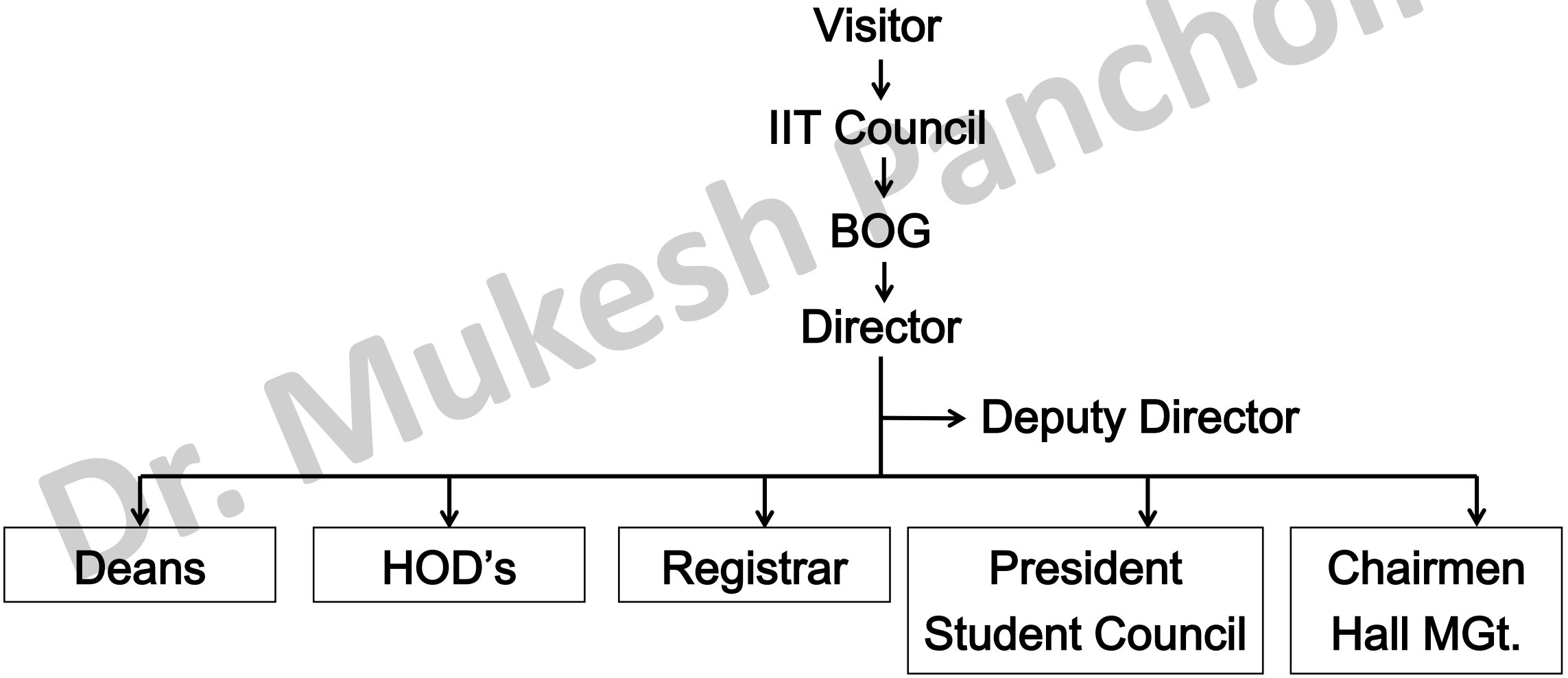

Dr. Mukesh Pancholi

IIM (Indian Institute of Management) –

भारतीय प्रबंध संस्थान (IIM) प्रबंधन के क्षेत्र में शिक्षा व अनुसंधान के भारत के संस्थान है, ये प्रबंधन में PG, Doctorate, कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करते है।

इतिहास –

1950 के दशक में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए उपयुक्त प्रबंधकों को खोजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा जिसके लिए 1959 में योजना आयोग UCLA (University of California, Los Angeles) के प्रोफेसर जॉर्ज रॉबिन्स को अखिल भारतीय प्रबंधन अध्ययन संस्थान स्थापित करने में कदद करने के लिए आमंत्रित किया।

Dr. Mukesh Pancholi

उनकी सिफारिशों के आधार पर भारत सरकार ने दो प्रबंधन संस्थानों की स्थापना का निर्णय लिया, कलकत्ता व अहमदाबाद दो शहरों में।

कलकत्ता का संस्थान 13 नवम्बर, 1961 को स्थापित हुआ। जिसका नाम Indian Institute of Management Calcutta or IIM Calcutta रखा गया।

ये संस्थान MIT, सोलन स्कूल ऑफ MGt. पश्चिम बंगाल की सरकार, फोर्ड फाउंडेशन व भारतीय उद्योग संघ के सहयोग से स्थापित किया गया।

अहमदाबाद में संस्थान की स्थापना दिसम्बर, 1961 में हुई। इसे भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद नाम दिया गया, इसके शुरुआती चरणों में हावर्ड बिजनेस स्कूल ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

Dr. Mukesh Pancholi

1972 में रवि जे मथाई समिति की सिफारिश पर एक नया IIM स्थापित किया गया- जिसमें बैंगलोर शामिल है। जिसकी स्थापना का उद्देश्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रबंधन था।

इसकी स्थापना 1973 में की गई।

1981 में मौजूदा तीन प्रबंधन संस्थानों की समीक्षा के लिए एक समिति बनाई गई। इस समिति दो और IIM खोलने की सिफारिश की। ताकि भारत में प्रबंधन स्कूलों में बढ़ती संकायों को पूरा किया जा सके और इसके लिए समिति ने Ph.D, Fellowship Programme आदि के विस्तार की भी सिफारिश की।

Dr. Mukesh Pancholi

इस प्रकार चौथे IIM लखनऊ में 1984 में स्थापित किया।

5th & 6th – 1996 में कोझीकोड़ व इंदौर में। IIM शिलाँग 7th IIM था जिसकी स्थापना का निर्णय 2005 में लिया गया व नींव 2007 में रखी गई, पहला शैक्षणिक वर्ष 2008-09 था।

2007 में 14 नए IIM स्थापित किए व अब इनकी संख्या कुल 20 हो गई।

सबसे नया IIM जम्मू है, जिसकी स्थापना 2016 में की गई।

Dr. Mukesh Panchali

अधिनियम –

केन्द्रीय मंत्रीमंडल 24 जनवरी, 2017 को बिल प्रस्ताव स्वीकार रखा गया, भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम 2007 का निर्माण किया, जिसके तहत् सभी IIM राष्ट्रीय महत्व के संस्थान घोषित किए गए।

यह बिल लोकसभा में 28 जुलाई, 2017 को, राज्य सभा में 19 दिसम्बर, 2017 को व राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ एक्ट बना 31 दिसम्बर, 2017 को ।

इस अधिनियम में शासी निकाय IIM Council से IIM Coordination Forum बदल दिया है।

Dr. Mukesh Pancholi

शैक्षणिक –

IIM मुख्य रूप से PG, Doctorate व कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करते है। इसमें MBA, PGDBM, PGDHRM, PGp-SM (Sustainable MGt.), FPM (Fellow Programe of MGt.)

कार्यकारी कार्य –

MGt. Development Programme, AM PM – Advanced Masters Programme MGt. of Global Enterprises etc.

Dr. Mukesh Pancholi

वर्तमान में संस्थान (कलकत्ता (1961), अहमदाबाद, बैंगलोर, लखनऊ, कोझीकोड, इंदौर, शिलांग, रोहतक, रांची, रायपुर, तिरुचिरापल्ली, काशीपुर, उदयपुर, नागपुर, अमृतसर, बोधगया, सिरमौर, विशाखापट्टनम, संबलपुर, जम्मू (2016) में है। कुल-20

प्रवेश परीक्षा –

IIM के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश CAT (Common Admission Test) पर आधारित होता है।

अंतर्राष्ट्रीय / विदेशी आवेदकों के लिए GMAT.

Dr. Mukesh Pancholi

SPA (School of Planning & Architecture) –

स्थापना –

SPA की स्थापना 1941 में दिल्ली पॉलिटेक्निकल के आर्टिटेक्चर विभाग के रूप में हुई थी। बाद में इसे दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंधित कर के स्कूल ऑफ टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग के साथ एकीकृत किया, जसे 1955 में भारत सरकार ने स्थापित किया था। एकीकरण करने पर 1959 में इसे स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्टिटेक्चर के रूप में नाम दिया।

1979 में SPA को Deemed to be university का दर्जा दिया था, इसी के साथ 2015 में 'संसद के एक्ट के द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' के रूप में मान्यता दी। वर्तमान में SPA नई दिल्ली में स्थित है।

Dr. Mukesh Pancholi

अन्य –

- SPA, विजयवाड़ा (2008)
- SPA, भोपाल (2008)

विशेष –

यह एक विशेष विद्यालय है, केवल इसका एक प्रकार है, जो विशेष रूप से मानव आवास व पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं में विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण प्रदान करता है।

वर्तमान अध्यक्ष – सामान्य शासी परिषद –

अध्यक्ष – डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

BOG में अध्यक्ष – Dr. Ar. अमोघ कुमार गुप्ता

Director – Dr. P.S.N. Rao

Dr. Mukesh Pancholi